शुक्रवार
10 अप्रैल, 2026

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

वर्ष 2, अंक 66 | नालंदा का नंबर - 1 डिजिटल अखबार
www.apnanalanda.com

नालंदा में पाण्डुलिपियों के संरक्षण व डिजिटाइजेशन को लेकर बैठक, ज्ञान भारतम् मिशन पर जोर

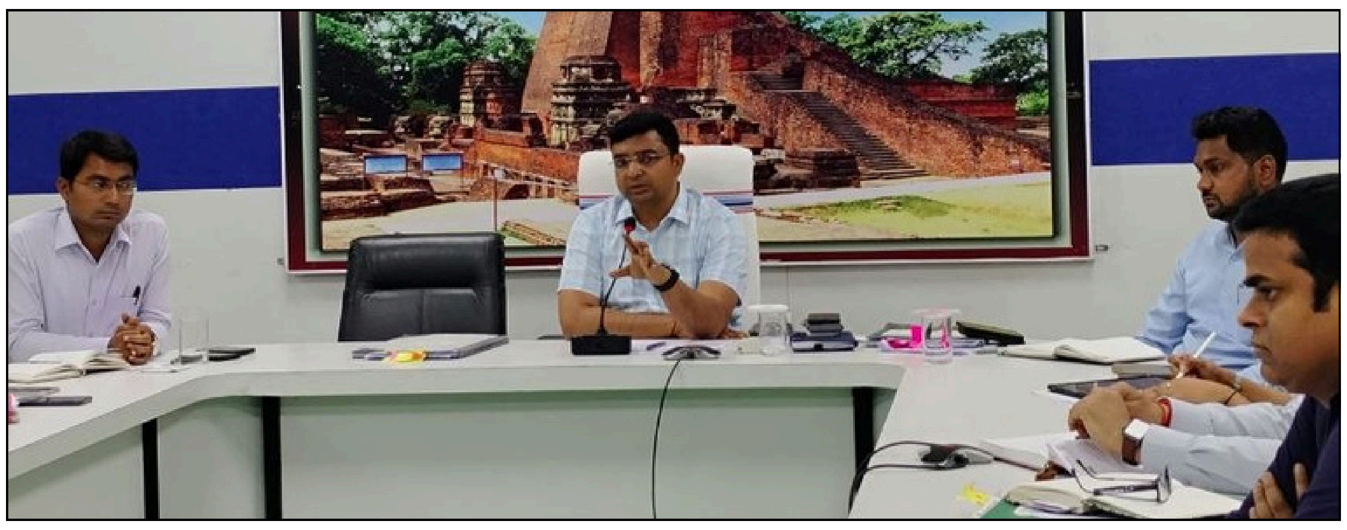

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। गुरुवार को जिला समाहरणालय, नालंदा में जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार की अध्यक्षता में "ज्ञान भारतम् मिशन" के अंतर्गत पाण्डुलिपियों के संरक्षण एवं डिजिटाइजेशन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा को सुरक्षित रखने के लिए विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिला पदाधिकारी ने कहा कि प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा हमारी अमूल्य धरोहर है, जो कागज, भोजपत्र, ताड़पत्र तथा कपड़े आदि पर हस्तलिखित पाण्डुलिपियों के रूप में संरक्षित है। इन पाण्डुलिपियों का संरक्षण और डिजिटाइजेशन कर उन्हें आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस कार्य के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर एक समिति का भी गठन किया गया है।उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 में "ज्ञान भारतम् मिशन" की शुरुआत की गई है, जिसके तहत देशभर में उपलब्ध पाण्डुलिपियों का वैज्ञानिक संरक्षण, डिजिटाइजेशन और अभिलेखीकरण किया जा रहा है। इसका उद्देश्य इन अमूल्य दस्तावेजों को शोधार्थियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों के लिए सुलभ बनाना है।

जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थानों, मठ-मंदिरों, शैक्षणिक संस्थानों, सार्वजनिक पुस्तकालयों तथा निजी व्यक्तियों के पास उपलब्ध पाण्डुलिपियों की पहचान, सूचीकरण और डिजिटाइजेशन का कार्य प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से पूरा करें। साथ ही इन पाण्डुलिपियों को "ज्ञान भारतम् पोर्टल" पर अपलोड कर सुरक्षित रखने की व्यवस्था की जाए।

उन्होंने यह भी बताया कि कोई भी व्यक्ति "ज्ञान भारतम्" ऐप या पोर्टल के माध्यम से अपनी पाण्डुलिपि स्वयं अपलोड कर सकता है। अधिक जानकारी और समन्वय के लिए daconalanda@gmail.com पर संपर्क किया जा सकता है।

बैठक में उप विकास आयुक्त, नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

इस्लामपुर में निजी स्कूलों की मनमानी, कॉपी-किताब व ड्रेस के नाम पर अभिभावकों से वसूली

मोहम्मद जियाउद्दीन

इस्लामपुर (अपना नालंदा)। प्रखंड क्षेत्र में संचालित निजी विद्यालयों पर मनमानी शुल्क वसूली और कॉपी-किताब तथा ड्रेस की अनिवार्य खरीद को लेकर अभिभावकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। इस्लामपुर प्रखंड में सौ से अधिक निजी विद्यालय संचालित हैं, जहां स्कूल प्रबंधन द्वारा अपने स्तर पर फीस और अन्य मदों में राशि वसूली की जा रही है।

अभिभावकों का आरोप है कि नर्सरी के बच्चों से हर माह 500 से 1000 रुपये तक फीस ली जा रही है, जबकि कक्षा 9 से 10 तक के छात्रों से 2000 से 2500 रुपये तक की मासिक वसूली की जाती है। वहीं विद्यालयों में पढ़ाने वाले शिक्षकों को अर्द्ध-कुशल मजदूर के बराबर भी वेतन नहीं दिया जाता।

कई निजी विद्यालयों में कॉपी-किताब, टाई, बेल्ट और ड्रेस की बिक्री के लिए अलग काउंटर खोले गए हैं। अभिभावकों को पहले नगद भुगतान करना पड़ता है, तब जाकर बच्चों को कॉपी-किताब उपलब्ध कराई जाती है। जानकारी के अनुसार नर्सरी के लिए लगभग 2500 रुपये, यूकेजी के लिए 3000 रुपये और पहली कक्षा के लिए करीब 3300 रुपये तक कॉपी-किताब के नाम पर लिए जाते हैं। कक्षा बढ़ने के साथ यह राशि बढ़ते-बढ़ते 9वीं-10वीं तक लगभग 8 हजार रुपये तक पहुंच जाती है।

अभिभावकों का कहना है कि विद्यालय के बाहर से खरीदी गई कॉपी-किताब या ड्रेस बच्चों को कक्षा में लाने की अनुमति नहीं दी जाती। स्कूल प्रबंधन द्वारा चिन्हित दुकानों से ही ड्रेस, कपड़ा और सिलाई कराने का दबाव बनाया जाता है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह सब मुख्यमंत्री के गृह जिले में हो रहा है, लेकिन जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

अस्थावां नगर पंचायत में सैरात बंदोबस्ती को लेकर विवाद, दो संवेदकों में टकराव

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा जिले के अस्थावां नगर पंचायत में व्यावसायिक वाहनों की सैरात बंदोबस्ती को लेकर विवाद गहरा गया है। बंदोबस्ती की प्रक्रिया पूरी होने के बाद दो संवेदक आमने-सामने आ गए हैं और एक-दूसरे पर अनियमितता के आरोप लगा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार अस्थावां नगर पंचायत में व्यावसायिक वाहनों की सैरात बंदोबस्ती की प्रक्रिया 8 अप्रैल को आयोजित की गई थी, जिसमें दो संवेदकों ने भाग लिया। प्रक्रिया पूरी होने के बाद एक पक्ष के संवेदक अजीत बिहार ने दावा किया कि बंदोबस्ती उनके पक्ष में कर दी गई है।

वहीं दूसरे पक्ष के संवेदक विनय कुमार ने पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए इसे नियमों के विरुद्ध बताया है। उनका आरोप है कि बंदोबस्ती के दौरान आवश्यक दस्तावेज, विशेष रूप से आयकर रिटर्न से संबंधित कागजात, पूरी तरह प्रस्तुत नहीं किए गए थे। इसके बावजूद प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया, जो नियमों के खिलाफ है।

मामले को बढ़ता देख संबंधित पदाधिकारी ने हस्तक्षेप करते हुए दोनों पक्षों को सभी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। इसके लिए 9 अप्रैल की तिथि निर्धारित की गई है, जिसके बाद आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

फिलहाल दोनों पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है, जिससे नगर पंचायत क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है। अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि जांच के बाद सैरात बंदोबस्ती किसे मिलती है और क्या प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से पूरी हो पाती है।

हरनौत स्टेशन रोड के कूड़े के ढेर में भीषण आग, घंटों मची अफरातफरी

बदबू से पहले ही बेहाल थे लोग, अब जहरीले धुएं ने छीनी सांसें; दमकल की कई गाड़ियाँ बुझाने में जुटीं

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। नगर पंचायत की लापरवाही एक बार फिर आम लोगों पर भारी पड़ती दिखी, जब गुरुवार को रेलवे स्टेशन रोड स्थित कूड़े के विशाल ढेर में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही देखते-देखते पूरे इलाके में काले धुएं का गुबार फैल गया, जिससे राहगीरों और आसपास के लोगों में अफरातफरी मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोपहर करीब दो बजे कूड़े के ढेर से धुआं उठना शुरू हुआ, जो कुछ ही देर में भीषण आग में बदल गया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि सड़क पर धुएं की चादर फैल गई और लोगों को सांस लेने में भी परेशानी होने लगी। इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।यह सड़क रेलवे कारखाना, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय और आरपीएस कॉलेज जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों को जोड़ती है।

केंद्रीय विद्यालय के कर्मचारी मरुण महतो और स्थानीय निवासी अमित कुमार ने बताया कि इस मार्ग से गुजरना काफी मुश्किल हो गया है। कूड़े के ढेर से उठने वाली बदबू से लोग पहले ही परेशान थे, अब आग लगने से जहरीले धुएं ने स्थिति और गंभीर बना दी है।

घटना की सूचना मिलने पर हरनौत और वेना थाना से अग्निशमन विभाग की फायर मिस्टी गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। हालांकि शाम छह बजे तक आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका था।अग्निशमन विभाग के चालक सनोज कुमार और इंद्रदेव कुमार ने बताया कि आग की भयावहता को देखते हुए बिहारशरीफ कंट्रोल रूम से बड़ी गाड़ी की मांग की गई है, लेकिन जिले में अन्य स्थानों पर भी आग लगने की सूचना के कारण स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी हुई है।

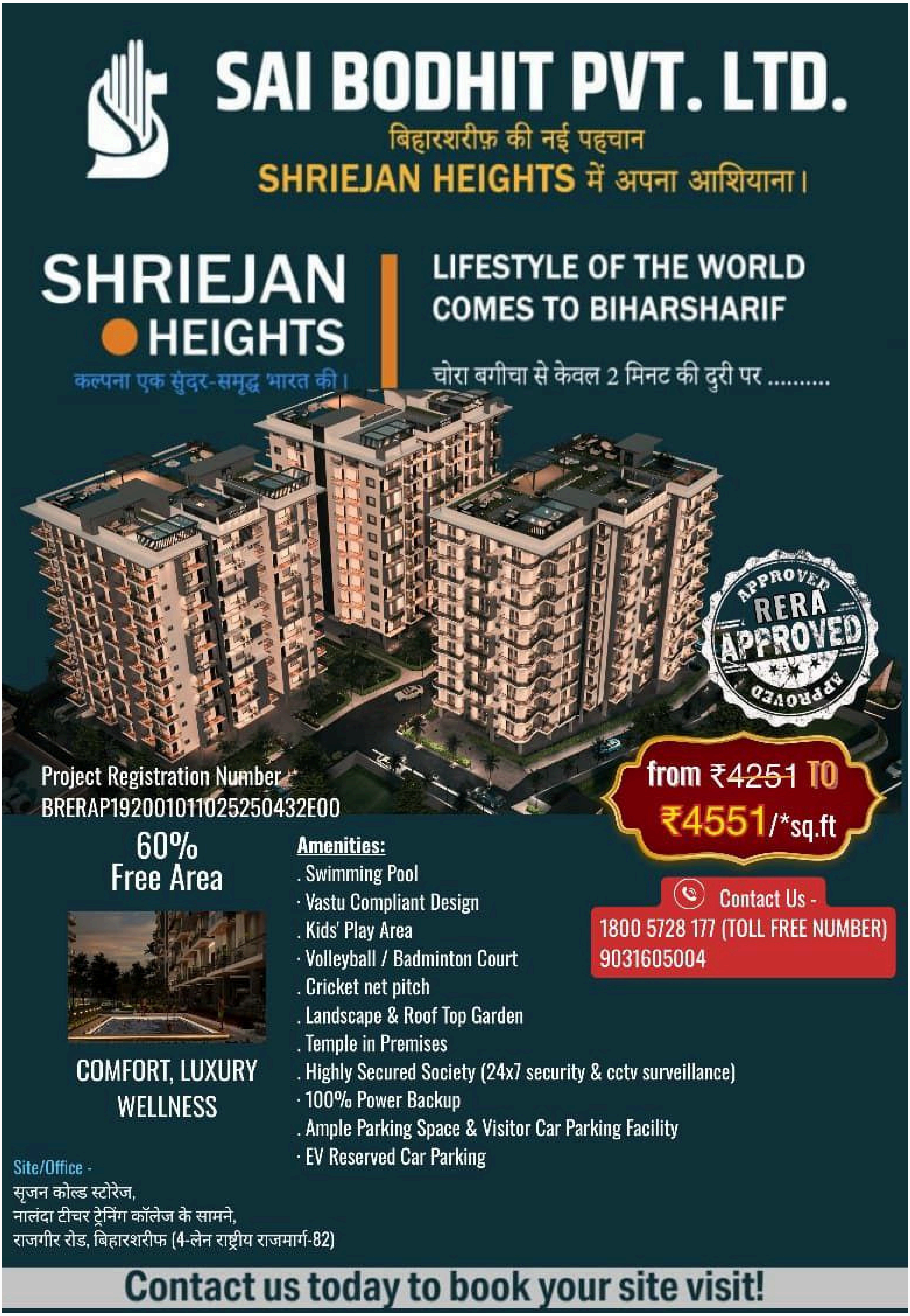
SAI BODHIT PVT. LTD.
बिहारशरीफ़ की नई पहचान
SHRIEJAN HEIGHTS में अपना आशियाना।
SHRIEJAN HEIGHTS
कल्पना एक सुंदर-समृद्ध भारत की।
LIFESTYLE OF THE WORLD COMES TO BIHARSHARIF
चोरा बगीचा से केवल 2 मिनट की दुरी पर ....
APPROVED RERA APPROVED APPROVED
Project Registration Number
BRERAP19200101102525043 2E00
from ₹4251 TO ₹4551/*sq.ft
60% Free Area
COMFORT, LUXURY WELLNESS
Amenities:
. Swimming Pool
· Vastu Compliant Design
. Kids' Play Area
· Volleyball / Badminton Court
. Cricket net pitch
. Landscape & Roof Top Garden
. Temple in Premises
. Highly Secured Society (24x7 security & cctv surveillance)
· 100% Power Backup
. Ample Parking Space & Visitor Car Parking Facility
· EV Reserved Car Parking
Contact Us -
1800 5728 177 (TOLL FREE NUMBER)
9031605004
Site/Office -
सृजन कोल्ड स्टोरेज,
नालंदा टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के सामने,
राजगीर रोड, बिहारशरीफ (4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग-82)
Contact us today to book your site visit!

चंडी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के निरीक्षण में कई खामियां, अधिकारियों ने जताई नाराजगी

चितरंजन कुमार

चंडी (अपना नालंदा)। गुरुवार सुबह करीब साढ़े दस बजे कृषि विभाग के प्रधान सचिव नरमेदश्वर लाल, विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह तथा जिलाधिकारी कुंदन कुमार समेत अन्य अधिकारियों ने चंडी स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर वेजिटेबल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान केंद्र की व्यवस्थाओं और कार्य प्रगति को लेकर अधिकारियों ने गहरी नाराजगी व्यक्त की।

निरीक्षण में पाया गया कि कई टनल हाउस, नेट हाउस और पॉली हाउस में उच्च तकनीक से तैयार किए जाने वाले पौधे अपेक्षित संख्या में उपलब्ध नहीं थे। इस पर प्रधान सचिव ने कड़ी आपत्ति जताई और संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया। वहीं हाइड्रोपोनिक और एरोपोनिक यूनिट बंद पाए जाने पर भी उन्होंने असंतोष व्यक्त किया।

पॉली हाउस और टनल हाउस में लगे पौधों की पत्तियां पीली मिलने पर अधिकारियों ने इसे गंभीर लापरवाहीमानते हुए संबंधित बीज कंपनी सीजेन्टा को निरीक्षण के लिए पत्र भेजने की बात कही। इसके अलावा सेंटर परिसर में बने नाले, साफ-सफाई और रखरखाव की स्थिति भी संतोषजनक नहीं पाई गई, जिस पर अधिकारियों ने नाराजगी जताई।

प्रधान सचिव ने कहा कि इस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना भारत सरकार और इजराइल की कंपनी के सहयोग से किसानों को आधुनिक तकनीक और उन्नत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है। यदि यहां की वर्तमान स्थिति ऐसी ही रही तो यह किसानों के हित में नहीं होगा।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने प्रशिक्षण भवन का भी जायजा लिया और किसानों को दिए जा रहे प्रशिक्षण तथा अब तक प्रशिक्षित किसानों की संख्या की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

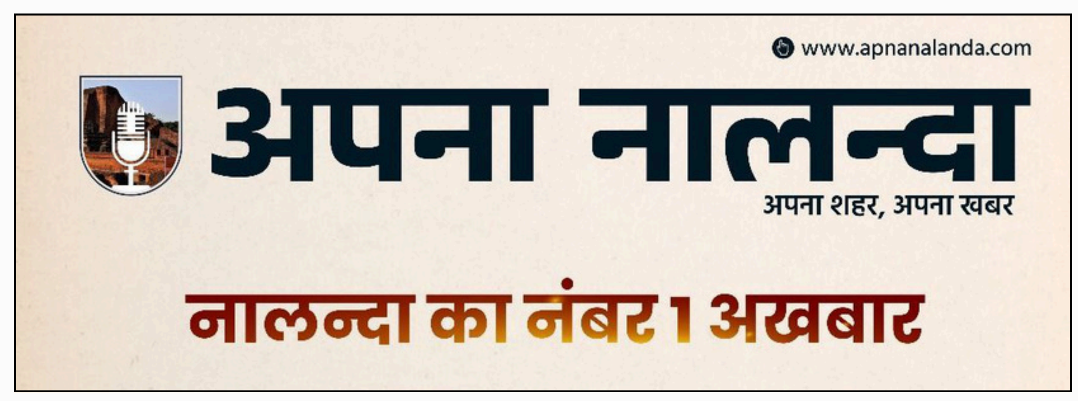

अपना नालन्दा में विज्ञापन देकर
अपने व्यवसाय को दे नई पहचान

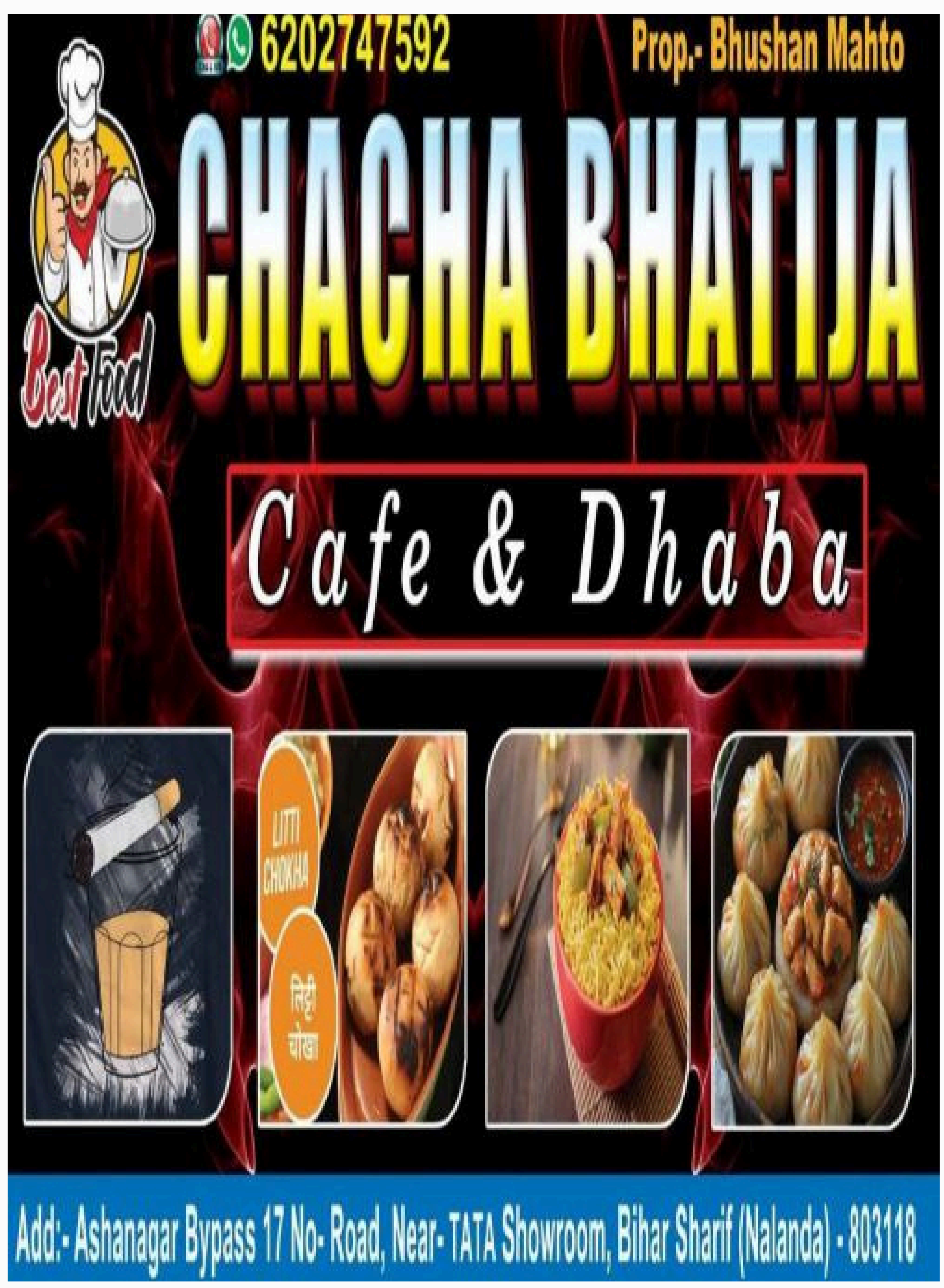

Kalope HOMES

All-in-One Home Solution

Luxury Interior with RealPlast UPVC

Waterproof | Termite Proof | Fire Retardant | Zero Maintenance

Material Partner: REAL PLAST

RealPlast UPVC is a next-generation interior material that combines strength, safety, and luxury design.

Modular Kitchen

✓ Cabinets, shutters, drawers

TV Unit & Wall Panels

✓ Modern design, storage

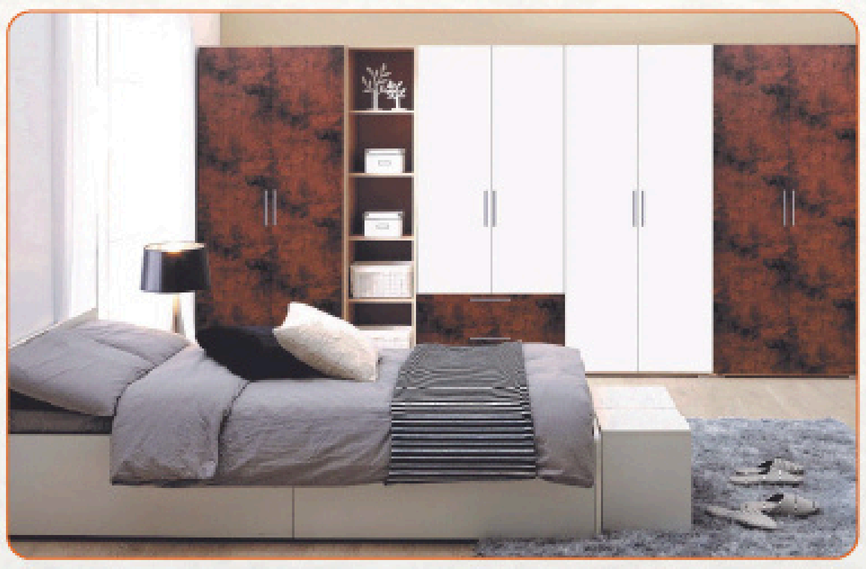

Wardrobes & Closets

✓ Sliding, swing, loft, drawers

Bathroom Vanities

✓ Waterproof & hygienic

+91 74887 06578   www.kalopehomes.com   Patna, Bihar

थरथरी पंचायत समिति बैठक में जनप्रतिनिधियों ने उठाई कई समस्याएं

थरथरी (अपना नालंदा)। थरथरी प्रखंड के पुरानी अस्पताल भवन में पंचायत समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रमुख चंद्रभूषण प्रसाद ने की, जबकि संचालन प्रखंड विकास पदाधिकारी गौरी कुमारी ने किया। बैठक में विभिन्न पंचायतों के जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़ी कई महत्वपूर्ण समस्याएं उठाई और उनके समाधान की मांग की।कचहरिया पंचायत के मुखिया शैलेन्द्र कुमार ने राशन कार्ड से संबंधित समस्या को उठाते हुए कहा कि गरीब लोग काफी मेहनत से ऑनलाइन आवेदन करते हैं, लेकिन प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा बिना जांच के ही कई आवेदनों को अस्वीकृत कर दिया जाता है। उन्होंने मांग की कि आवेदन को रद्द करने से पहले संबंधित स्थल पर जाकर जांच अवश्य की जाए, ताकि पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ मिल सके। बैठक में अंचल कार्यालय द्वारा योजनाओं के लिए एनओसी देने में हो रही अनावश्यक देरीपर भी जनप्रतिनिधियों ने नाराजगी जताई।

उनका कहना था कि इससे विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और कई योजनाएं लंबित पड़ी हैं।अस्ता पंचायत की मुखिया अंजू देवी ने बीडीओ पर आरोप लगाते हुए कहा कि वे जनप्रतिनिधियों की समस्याएं नहीं सुनती हैं और उनसे संवाद करने से भी कतराती हैं, जिससे ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है।
बैठक में कबीर अंत्योष्टि योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, मुख्यमंत्री वृद्धावस्था पेंशन तथा प्रधानमंत्री आवास योजना में मेकर-चेकर स्तर पर मनमानी का आरोप भी लगाया गया। साथ ही राजस्व पदाधिकारी और बिहार दक्षिण ग्रामीण बैंक के शाखा प्रबंधक के व्यवहार को लेकर भी शिकायत की गई।
इसके अतिरिक्त अस्ता गांव में नल-जल योजना के पाइप फटने से बाधित जलापूर्ति की समस्या उठाई गई और विभाग से शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की गई। अंत में बीईओ शिक्षा कुमारी ने पराली नहीं जलाने के लिए लोगों को जागरूक करने की अपील की।

कतरीसराय के बरान्दी विद्यालय में फाउंडेशनल लर्निंग स्टडी के तहत सर्वेक्षण आयोजित

आर संतोष भारती

कतरीसराय (अपना नालंदा)। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र पारख और एनसीईआरटी द्वारा संचालित फाउंडेशनल लर्निंग स्टडी (एफएलएस) 2026 के तहत नालंदा जिले के कई प्रखंडों के विद्यालयों को चिन्हित कर छात्रों और शिक्षकों का एफएलआई आधारित सर्वेक्षण किया जा रहा है।इसी कड़ी में कतरीसराय प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बरान्दी में वर्ग चार के छात्रों का एफएलआई आधारित सर्वेक्षण किया गया। यह सर्वेक्षण डायट नालंदा के डीएलएड प्रशिक्षु राम विकास कुमार के नेतृत्व में संपन्न कराया गया।
सर्वेक्षण के दौरान छात्रों के अक्षर ज्ञान, अंक ज्ञान तथा उनकी समग्र शैक्षणिक क्षमता का आकलन किया गया। इसके माध्यम से यह जानने का प्रयास किया गया कि विद्यार्थियों की बुनियादी पढ़ाई-लिखाई और गणितीय समझ किस स्तर पर है। साथ ही विद्यालय के प्राचार्य और शिक्षकों के कार्यों का भी मूल्यांकन किया गया, ताकि शिक्षण व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सके।
इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य और शिक्षक राकेश कुमार, रामप्रवेश कुमार यादव, संजू कुमारी तथा किरण कुमारी सहित अन्य सहयोगी कर्मचारी मौजूद रहे। विद्यालय प्रबंधन ने सर्वेक्षण को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग दिया।
इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों के बुनियादी शिक्षण स्तर की सही जानकारी प्राप्त कर शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा भविष्य में बेहतर शैक्षणिक योजनाएं लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

सब्बैत सिलाव उर्दू विद्यालय में मैट्रिक और इंटर टॉपर छात्र को किया गया सम्मानित

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। सिलाव प्रखंड के उर्दू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सब्बैत सिलाव के प्रांगण में सोमवार को मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में भव्य समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर वार्षिक माध्यमिक (10वीं) और इंटरमीडिएट (12वीं) परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

समारोह की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक विनोद कुमार चौधरी ने की, जबकि पूर्व प्रभारी जुनैद अख्तर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोनों ने सफल छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय के बच्चों ने अपनी मेहनत और प्रतिभा से यह साबित कर दिया है कि लगन और सही मार्गदर्शन से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में उपलब्ध डिजिटल बोर्ड और आईसीटी लैब जैसी आधुनिक सुविधाओं का लाभ उठाकर छात्र लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। परीक्षा परिणाम में कक्षा 12वीं की कला संकाय में आसमा प्रवीण ने 424 अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। वहीं विज्ञान संकाय में आकाश कुमार ने 391 अंक लाकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

मैट्रिक परीक्षा में प्रतिज्ञा कुमारी ने 458 अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। मंतसा प्रवीण ने 451 अंक के साथ द्वितीय तथा सुजीत कुमार ने 450 अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा शारदा कुमारी, चाहत कुमारी, रजनी कुमारी, रोशन कुमार, सत्यम कुमार और शिवम कुमार ने भी 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया।प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों ने सभी सफल छात्रों को पदक, प्रशस्ति पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में शिक्षक, अभिभावक और छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। समारोह का समापन मिठाई वितरण और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ हुआ।

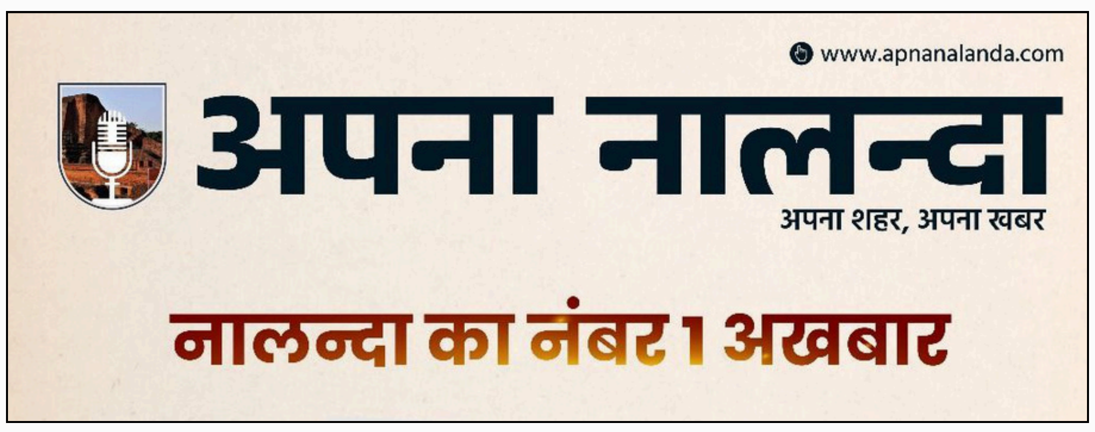

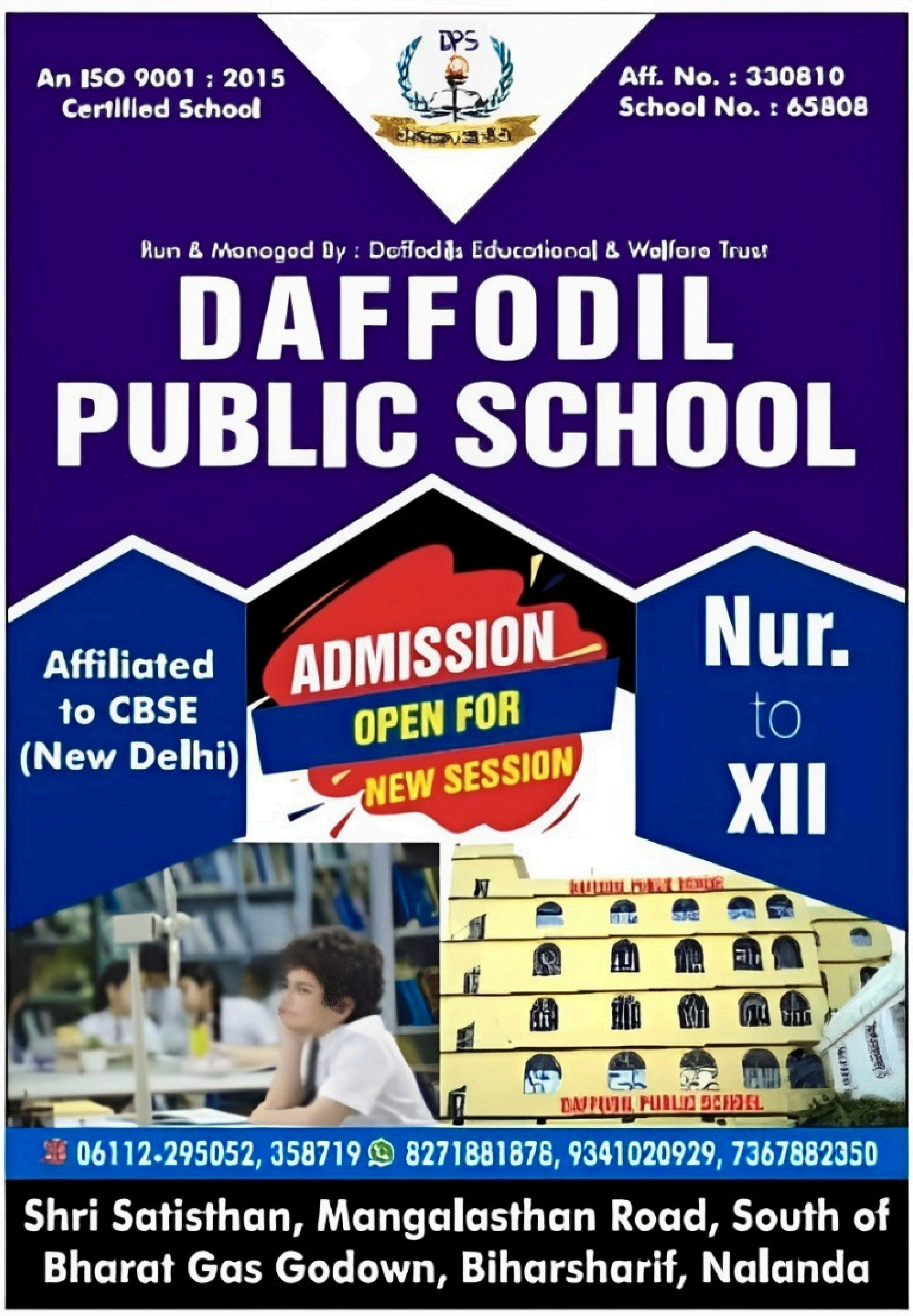

18 अप्रैल को सशक्त स्थाई समिति का होगा चुनाव , नामांकन,मतगणना और शपथ ग्रहण भी उसी दिन

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)।स्थानीय नगर पंचायत का सशक्त स्थायी समिति चुनाव को लेकर सियासी तापमान चढ़ने लगा है। विभिन्न वार्ड में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। क्योंकि कि एक ही दिन बिना विराम के हीं नामांकन से लेकर शपथग्रहण की प्रकिया संपन्न होगी।वहीं नगर कार्यपालक पदाधिकारी(एमईओ) सौरभ सुमन ने गुरुवार को बताया कि यहां सशक्त स्थायी समिति के तीन सदस्यों का चुनाव होना है।इसके लिए 18 अप्रैल का डेट निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि चुनाव नपं भवन में ही होगा।इस चुनाव में नपं के निर्वाचित पार्षद गुप्त मतदान के जरिए स्थायी समिति के सदस्यों का चयन करेंगे। पूरी प्रक्रिया की निगरानी, निर्देशन और नियंत्रण की जिम्मेदारी डीएम सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी को दी गई है। जानकारों की मानें तो सशक्त स्थायी समिति का गठन सिर्फ औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि निकाय की ताकत और प्रभाव के केंद्र को तय करने वाला चुनाव मानाजाता है। इसलिए हर खेमे की कोशिश है कि समिति में उसका पलड़ा भारी रहे।नपं में कुल 19 वार्ड है।प्रत्येक निर्वाचित वार्ड पार्षद केवल एक ही व्यक्ति के पक्ष में नामांकन कर सकेंगे।उधर वार्ड संख्या 19 के वार्ड पार्षद अयोग्य घोषित(राज्य निर्वाचन आयोग) किया गया है।यदि कोई वार्ड पार्षद एक से अधिक रिक्तियों के लिए नामांकन करते हैं, तो न्यूनतम क्रमांक वाली मतपेटिका ही वैध मानी जाएगी। मतदान के दौरान प्रत्येक वार्ड पार्षद सभी रिक्तियों के लिए एक-एक मत देंगे। इसके बाद मतगणना होगी और सर्वाधिक मत पाने वाले वार्ड पार्षदों को समिति का स्थायी सदस्य घोषित कर दिया जाएगा। एमईओ ने कहा कि नामांकन से लेकर शपथ ग्रहण तक की पूरी प्रक्रिया सुबह 8 बजे से शुरू होकर एक ही दिन में बिना विराम के पूरी होगी।यहां तक उसी दिन चयनित सदस्यों कोई शपथ भी दिलाई जाएगी और इसके साथ ही पूर्व की समिति स्वत: विघटित मानी जाएगी।वहीं वर्तमान में वार्ड संख्या दो के बबीता पांडे,सात से राजू कुमार एवं 15 से राजीव रंजन कुमार समिति का स्थायी सदस्य मुख्य पार्षद द्वारा मनोनीत किया गया है।

संपादकीय

जे पी चौधरी

भारतीय राजनीति अटल बिहारी वाजपेयी: द इंटरनल स्टेट्समैन

भारतीय राजनीतिअटल बिहारी वाजपेयीः द इंटरनल स्टेट्समैन" इसी बहुआयामी व्यक्तित्व को एक नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने का प्रयास है।

अटल जी को केवल एक प्रधानमंत्री के रूप में देखना उनके व्यक्तित्व के साथ न्याय नहीं होगा। वे एक ऐसे " इंटरनल स्टेट्समैन" थे जिनकी असली ताकत उनके भीतर के संतुलन, नैतिकता और आत्मचिंतन में निहित थी। वे राजनीति को केवल नीतियों और निर्णयों का खेल नहीं मानते थे, बल्कि इसे राष्ट्र निर्माण की एक सतत् साधना समझते थे। उनकी सबसे बड़ी विशेषता थी विचारों की स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की गरिमा। संसद में जब वे बोलते थे तो शब्दों के साथ एक गहरी जिम्मेदारी भी झलकती थी। उनके भाषणों में आक्रोश नहीं, बल्कि तर्क और संवाद की शक्ति होती थी। वे विरोध को शत्रुता में नहीं बदलते थे, बल्कि उसे लोकतंत्र का आवश्यक अंग मानते थे। अटल जी का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि दृढ़ता और संवेदनशीलता साथ-साथ चल सकती हैं। एक ओर उन्होंने देश की सुरक्षा के लिए कठोर निर्णय लिए, वहीं दूसरी और शांति और संवाद के द्वार हमेशा खुले रखे। यह संतुलन ही उन्हें अन्य नेताओं से अलग करता है।

उनकी कविताओं में झलकता भाव उनके राजनीतिक जीवन में भी दिखाई देता था। वे शब्दों के शिल्पी थे, चाहे वह कविता हो या कूटनीति। यही कारण है कि उनके निर्णयों में मानवीयता की झलक मिलती थी। वे केवल नीतियां नहीं बनाते थे, बल्कि लोगों के जीवन को बेहतर बनाने की चिंता करते थे। इस पुस्तक के माध्यम से मेरा प्रयास रहा है कि पाठक अटल जी के उस पक्ष को समझ सकें जो अक्सर राजनीतिक विश्लेषण में छूट जाता है-उनका आंतरिक व्यक्तित्व, उनका आत्मसंवाद और उनका वह मानवीय पक्ष जिसने उन्हें "जननायक" बनाया। आज जब राजनीति में संवाद की कमी और विचारों कीकठोरता बढ़ती दिखाई देती है, तब अटल जी का जीवन और अधिक प्रासंगिक हो जाता है। वे हमें याद दिलाते हैं कि सच्चा नेतृत्व केवल सत्ता प्राप्त करने में नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और दिशा देने में होता है।

यह पुस्तक 1924 से 2018 तक के अटल जी के जीवन के उनका ऐतिहासिक भाषण।

प्रधानमंत्री के रूप में 1996 से 2004 तक का उनका कार्यकाल, पोखरण 2 न्यूक्लियर टेस्ट, लाहौर बस डिप्लोमेसी, आगरा समिट की असफलता और 2004 के चुनावों में हार, इन सभी क्षणों को भी चित्रों के माध्यम से सजीव किया गया है। साथ ही, भारत रत्न से सम्मानित होने तक की यात्रा भी इसमें समाहित है। इस पुस्तक में अटल जी के व्यक्तित्व के विविध रंग दिखाई देते हैं-कभी वे लिखते हुए, पढ़ते हुए, आते हैं तो कभी आंदोलनों में धरना देते, मार्च करते या कविताएं रचते हुए नजर जैल जाते हुए। उनकी प्रसिद्ध काव्य कृति "मेरी 51 कविताएं के विमोचन के समय पी.वी. नरसिम्हा राव मुद्रा भी इसमें संजोई गई है। अटल जी के प्रधानमंत्री निवास पर एक पारिवारिक मुलाकात के दौरान अटल जी ने जिस आत्मीयता से मेरे पूरे परिवार के साथ तस्वीरें खिंचवाई, वह अनुभव किसी दादाजी के स्नेह जैसा था सहज, स्नेहपूर्ण और अपनापन भरा।

चेहरे पर सदैव एक अद्भुत शांति, सम्मोहन मुस्कान रहती थी। उनकी ठहाकों से भरो और सहज व्यक्तित्व को देखकर इस पुस्तक नाम "मुस्कुराते अटल" भी रखा जा सकता एक ऐसा भाव जो आज के समय में दुर्लभजा रहा है। इस पुस्तक में लगभग हर उस प्र नेता के साथ अटल जी के चित्र शामिल का प्रयास किया गया है जो उनके समय में सा थे, चाहे वे चौधरी चरण सिंह, जॉर्ज फर्नांड देवी लाल, जगजीवन राम, चंद्रशेखर या नारायण हों। नरेंद्र मोदी के साथ भी अटल के अनेक दुर्लभ चित्र इस पुस्तक में हैं। एक में वे होली के अवसर पर हाथ में हाथ डाल झूमते हुए दिखाई देते हैं। विदेशी नेता कलाकारों, खिलाड़ियों और अन्य क्षेत्रों की प्रॉ हस्तियों के साथ भी उनके चित्र इस पुस्तक समाहित हैं।

हरनौत में पंचायत सचिवों की हड़ताल से प्रखंड कार्यालय का कामकाज ठप

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। प्रखंड एवं अंचल कार्यालय में कर्मचारियों की लगातार हड़ताल के कारण इन दिनों कामकाज बुरी तरह प्रभावित हो गया है। पहले से ही बीते 11 फरवरी से आठ में सात राजस्व कर्मचारियों की हड़ताल के कारण कई महत्वपूर्ण कार्य बाधित थे। हालांकि स्थिति को संभालने के लिए अमीन समेत अन्य कर्मियों को जिम्मेदारी दी गई है।

इसी बीच बुधवार से सात पंचायत सचिवों में से चार सचिवों के अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाने से प्रशासनिक कार्यों की स्थिति और गंभीर हो गई है। हड़ताल के कारण दाखिल-खारिज, परिमार्जन, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र जैसे जरूरी कार्य पूरी तरह ठप पड़ गए हैं। इसका सीधा असर आम लोगों पर पड़ रहा है, जो कई दिनों से अपने कार्यों के लिए प्रखंड कार्यालय के चक्कर लगाने को मजबूर हैं।प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी उमेश कुमार ने बताया कि सात पंचायत सचिवों में से चार सचिव हड़ताल पर हैं और फिलहाल किसी अन्य को उनका प्रभार नहीं दिया गया है। इसके कारण कार्यालय के कई काम लंबित हो गए हैं।बता दें कि प्रखंड में कुल सात पंचायत सचिव कार्यरत हैं, जिनमें रंजीत कुमार, विजय पासवान, शंकर रजक, विकास कुमार-1, आनंद कुमार शर्मा, नेहा कुमारी और विकास कुमार-2 शामिल हैं। इनमें विकास कुमार-1, विकास कुमार-2, आनंद कुमार शर्मा और रंजीत कुमार हड़ताल पर चले गए हैं।

जहानाबाद में पोषण पखवाड़ा का शुभारंभ, महिलाओं और बच्चों को जागरूक करने पर जोर

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। जिले में महिलाओं और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य तथा पोषण स्तर में सुधार लाने के उद्देश्य से 09 अप्रैल से 23 अप्रैल तक चलने वाले पोषण पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने कहा कि पोषण पखवाड़ा के माध्यम से समाज में पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत बच्चों के समुचित पोषण, कुपोषण एवं स्टंटिंग की समस्या को कम करने में माता-पिता और समुदाय की भूमिका, प्रारंभिक वर्षों में खेल आधारित शिक्षा तथा बाल मस्तिष्क के बेहतर विकास में पोषण के महत्व जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया जाएगा। साथ ही आंगनबाड़ी सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर भी बल दिया गया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जन-संवेदनशील गतिविधियों का आयोजन कर इन कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम जनमानस की अधिक से अधिक भागीदारी हो सके।जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (आईसीडीएस) ने बताया कि पोषण पखवाड़ा के दौरान विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें पोषण पर चर्चा, जंक फूड के दुष्प्रभाव, बच्चों के स्क्रीन टाइम में कमी तथा मजबूत आंगनबाड़ी व्यवस्था के लिए समुदाय के सहयोग जैसे विषय शामिल हैं।उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य आम जनता, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को संतुलित आहार और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है, ताकि आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ और मजबूत बनाया जा सके।

ज्ञान भारतम् मिशन के तहत जहानाबाद में प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण पर जोर

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। भारत सरकार द्वारा देश की प्राचीन ज्ञान परंपरा और बौद्धिक विरासत के संरक्षण के उद्देश्य से संचालित "ज्ञान भारतम् मिशन" के तहत जहानाबाद जिले में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में जिला पदाधिकारी अलंकृता पाण्डेय ने स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय, जहानाबाद स्थित संग्रहालय और पुस्तकालय का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां सुरक्षित प्राचीन और दुर्लभ पांडुलिपियों का अवलोकन किया तथा उनके संरक्षण और डिजिटलीकरण की प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन अमूल्य धरोहरों को सुरक्षित रखने के साथ-साथ डिजिटल रूप में संरक्षित करने की प्रक्रिया को तेज किया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इस ज्ञान संपदा से लाभान्वित हो सकें।

बताया गया कि "ज्ञान भारतम् मिशन" के तहत देशभर में कम से कम 75 वर्ष पुराने पांडुलिपियों की पहचान, सर्वेक्षण, सूचीकरण, संरक्षण और डिजिटलीकरण का कार्य किया जा रहा है। ये पांडुलिपियां कागज, भोजपत्र, ताड़पत्र, कपड़ा और धातु जैसे विभिन्न माध्यमों पर लिखी गई हैं, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और बौद्धिक धरोहर को दर्शाती हैं।

इस कार्य को सफल बनाने के लिए उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है। साथ ही सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारियों को सर्वेयर के रूप में नामित किया गया है, जिन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए जागरूक करने का निर्देश दिया गया है।

जिला जनसंपर्क पदाधिकारी द्वारा इस मिशन का व्यापक प्रचार-प्रसार सोशल मीडिया और प्रिंट मीडिया के माध्यम से किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी राजीव कुमार सिंह, चांदनी कुमारी सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बंगाल की बदलती बयार: 2014 से शुरू हुआ सफर अब सत्ता परिवर्तन की दस्तक तक: चंदन चौरसिया

जनता के मूड में बदलाव—भारतीय जनता पार्टी का उभार और तृणमूल कांग्रेस की साख पर सवाल

महिला सुरक्षा, भ्रष्टाचार और विकास की राजनीति—नरेंद्र मोदी के एजेंडे के सामने ममता बनर्जी की चुनौतियां गहराईं

पटना(अपना नालंदा)। वरिष्ट पत्रकार चंदन चौरसिया ने कहा कि पश्चिम बंगाल की राजनीति में 2014 का लोकसभा चुनाव केवल एक चुनावी परिणाम नहीं था, बल्कि एक नई राजनीतिक पटकथा की शुरुआत थी। लंबे समय तक वामपंथ और फिर तृणमूल कांग्रेस के प्रभाव में रहे इस राज्य में पहली बार भारतीय जनता पार्टी ने अपनी मौजूदगी को मजबूती से दर्ज कराया। यह वही दौर था जब राष्ट्रीय स्तर पर नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास, सुशासन और निर्णायक नेतृत्व का नया विमर्श उभर रहा था। बंगाल, जो कभी भाजपा के लिए सीमांत प्रदेश माना जाता था, धीरे-धीरे पार्टी के विस्तार का केंद्र बनता गया। 2014 में सीमित सीटों और वोट प्रतिशत से शुरू हुआ यह सफर 2019 तक आते-आते एक बड़े जनसमर्थन में बदल गया। यह बदलाव केवल चुनावी आंकड़ों का खेल नहीं था, बल्कि जनता के भीतर पनप रहे असंतोष का परिणाम था—एक ऐसा असंतोष जो भ्रष्टाचार, कट मनी, राजनीतिक हिंसा और प्रशासनिक पक्षपात के खिलाफ आकार ले रहा था।

चौरसिया ने कहा कि 2016 के विधानसभा चुनाव में भले ही भाजपा को सीमित सफलता मिली, लेकिन यहीं से संगठनात्मक मजबूती और जमीनी विस्तार की नींव रखी गई। इसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी ने अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए बंगाल की राजनीति में खुद को मुख्य विपक्षी ताकत के रूप में स्थापित कर लिया। यह वह क्षण था जब तृणमूल कांग्रेस की पकड़ पहली बार कमजोर होती नजर आई। ममता सरकार पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप—चाहे वह शिक्षक भर्ती घोटाला हो, कोयला घोटाला हो या फिर कट मनी की संस्कृति—इन सभी ने जनता के विश्वास को झकझोर दिया। महिला सुरक्षा के मुद्दे पर भी सरकार लगातार सवालों के घेरे में रही। राज्य में बढ़ती घटनाओं ने यह संदेश दिया कि कानून व्यवस्था की स्थिति संतोषजनक नहीं है। ऐसे में भाजपा ने इन मुद्दों को न केवल राजनीतिक रूप से उठाया, बल्कि उन्हें जनआंदोलन का रूप देने में भी सफलता पाई। पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गांव-गांव तक पहुंच बनाकर यह नैरेटिव स्थापित किया कि बदलाव अब आवश्यक ही नहीं, बल्कि अपरिहार्य हो चुका है।

चौरसिया ने कहा कि 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अभूतपूर्व बढ़त दर्ज की और यह स्पष्ट कर दिया कि बंगाल अब एकतरफा राजनीति का प्रदेश नहीं रहा। हालांकि सत्ता परिवर्तन उस समय संभव नहीं हो सका, लेकिन परिणामों ने यह संकेत दे दिया कि तृणमूल कांग्रेस की जमीन खिसक रही है। इसके बाद के वर्षों में स्थिति और अधिक बदली है। एक ओर जहां भाजपा ने अपने संगठन को और मजबूत किया, वहीं दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस आंतरिक कलह, भ्रष्टाचार के आरोपों और प्रशासनिक विफलताओं से जूझती रही। आज स्थिति यह है कि राज्य की जनता खुलकर बदलाव की बात कर रही है। युवा वर्ग रोजगार और पारदर्शिता की मांग कर रहा है, महिलाएं सुरक्षा और सम्मान चाहती हैं, और आम नागरिक एक ऐसी सरकार की उम्मीद कर रहे हैं जो विकास को प्राथमिकता दे। इस पूरे परिदृश्य में भारतीय जनता पार्टी एक मजबूत विकल्प के रूप में उभर कर सामने आई है। 2024 के लोकसभा चुनाव और आने वाले विधानसभा चुनाव इस बात के संकेत दे रहे हैं कि बंगाल की राजनीति अब निर्णायक मोड़ पर खड़ी है—जहां एक ओर पुरानी व्यवस्था के प्रति नाराजगी है, वहीं दूसरी ओर नए नेतृत्व और नई सोच के प्रति उम्मीदें। अगर यही रुझान जारी रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब बंगाल की सत्ता में एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा और भाजपा का यह लंबा संघर्ष अपने चरम पर पहुंचेगा।

स्थायी वेंडिंग जोन की मांग पर सब्जी विक्रेताओं की हड़ताल, इस्लामपुर में सब्जियों की किल्लत से लोग परेशान

मोहम्मद जियाउद्दीन

इस्लामपुर (अपना नालंदा)। इस्लामपुर शहर में सब्जी एवं फल विक्रेताओं की हड़ताल तेज हो गई है। नगर परिषद द्वारा चलाए गए अतिक्रमण हटाओ अभियान के विरोध में सैकड़ों फुटपाथी दुकानदारों ने विरोध जताते हुए अपनी दुकानें बंद कर दी हैं। हड़ताल के कारण शहर के कई बाजारों में सब्जियों की आपूर्ति प्रभावित हो गई है, जिससे आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार नगर परिषद इस्लामपुर द्वारा हाल ही में शहर के मुख्य बाजार, चौक-चौराहों और सड़कों के किनारे अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान वर्षों से फुटपाथ पर दुकान लगाकर जीविका चलाने वाले दर्जनों सब्जी और फल विक्रेताओं को वहां से हटा दिया गया। दुकानदारों का आरोप है कि यह कार्रवाई बिना किसी पूर्व सूचना और वैकल्पिक व्यवस्था के की गई, जिससे उनके सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

हड़ताल पर बैठे विक्रेताओं का कहना है कि वे कई वर्षों से एक ही स्थान पर दुकान लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। अचानक दुकान हटाए जाने से उनकी आय पूरी तरह बंद हो गई है। एक विक्रेता ने बताया कि वे रोज कमाकर ही अपने परिवार का खर्च चलाते हैं। ऐसे में बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए दुकान हटाना गरीबों के साथ अन्याय है।

विक्रेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन केवल छोटे फुटपाथी दुकानदारों पर ही कार्रवाई कर रहा है, जबकि शहर में कई स्थायी और बड़े अतिक्रमण आज भी बने हुए हैं , जिन पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। इससे दुकानदारों में आक्रोश और बढ़ गया है।

हड़ताल कर रहे सब्जी विक्रेताओं की मुख्य मांग है कि नगर परिषद इस्लामपुर में स्थायी सब्जी मंडी या वेंडिंग जोन का निर्माण करे। उनका कहना है कि यदि उन्हें एक निर्धारित स्थान उपलब्ध करा दिया जाए तो वे नियमों के तहत व्यवस्थित तरीके से अपना व्यवसाय चला सकते हैं और शहर की सड़कों पर अतिक्रमण की समस्या भी नहीं होगी।

इधर हड़ताल का असर अब शहर के बाजारों में साफ दिखाई देने लगा है। कई स्थानों पर सब्जियों की उपलब्धता कम हो गई है, जिससे कीमतों में भी हल्की बढ़ोतरी देखी जा रही है। गृहिणियों और आम लोगों को सब्जी खरीदने के लिए एक बाजार से दूसरे बाजार तक भटकना पड़ रहा है। कई जगहों पर ठेले और फुटपाथ खाली दिखाई दे रहे हैं, जिससे बाजारों की सामान्य रौनक भी कम हो गई है।स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाना जरूरी है, लेकिन इसके साथ-साथ गरीब दुकानदारों के पुनर्वास की भी व्यवस्था की जानी चाहिए थी। उनका मानना है कि यदि प्रशासन पहले से वेंडिंग जोन बनाकर दुकानदारों को वहां स्थान देता, तो ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती।फिलहाल इस पूरे मामले में नगर परिषद इस्लामपुर की ओर से कोई स्पष्ट बयान सामने नहीं आया है। दुकानदारों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। अब शहरवासियों की नजर प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हुई है कि वह इस समस्या का स्थायी समाधान कैसे निकालता है।

पटना पुलिस की त्वरित कार्रवाई, 8 घंटे में तीन अपहृत सकुशल बरामद

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। पटना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहरण के एक मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने महज आठ घंटे के भीतर तीन अपहृत व्यक्तियों को सकुशल बरामद कर लिया तथा घटना में संलिप्त एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार 8 अप्रैल 2026 को हरनौत थाना, जिला नालंदा से प्राप्त जीरो प्राथमिकी के आधार पर रामकृष्णानगर थाना, पटना में मामला दर्ज किया गया था। प्राथमिकी में तीन व्यक्तियों के अपहरण किए जाने और उनकी रिहाई के लिए पांच लाख रुपये की फिरौती मांगे जाने की सूचना दी गई थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए रामकृष्णानगर थाना अध्यक्ष के नेतृत्व में एकविशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी एवं मानवीय अनुसंधान के आधार पर त्वरित और योजनाबद्ध कार्रवाई शुरू की।

पुलिस टीम ने लगातार छापेमारी करते हुए महज आठ घंटे के अंदर तीनों अपहृत व्यक्तियों को सकुशल बरामद कर लिया। साथ ही अपहरण और फिरौती मांगने की घटना में शामिल एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है और मामले में अन्य संभावित आरोपियों की तलाश जारी है। इस संबंध में आगे की विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है।

लकड़ी दुकान में हुई चोरी का खुलासा, सामान के साथ युवक गिरफ्तार

सुधीर प्रसाद

बेन (अपना नालंदा)। बेन थाना पुलिस ने चोरी की एक घटना का सफल उद्भेदन करते हुए एक युवक को चोरी गए सामान के साथ गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बेन थाना कांड संख्या 79/26 के तहत लक्ष्मी बीघा गांव निवासी उदय मिस्त्री, पिता मथुरा मिस्त्री की लकड़ी दुकान से कुछ दिन पूर्व फर्नीचर बनाने से संबंधित सामान चोरी हो गया था। घटना के बाद पीड़ित द्वारा बेन थाना में मामला दर्ज कराया गया था।

मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अरामा पैक्स गोदाम के पास से एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान शंभू कुमार (22 वर्ष), पिता वीरेंद्र मोची, निवासी शंकरडीह, थाना परवलपुर, जिला नालंदा के रूप में की गई है।

पुलिस ने उसके पास से चोरी गए फर्नीचर बनाने के उपकरण और अन्य सामान भी बरामद किए हैं। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

राहुल सांकृत्यायन का व्यक्तित्व अद्भुत साहस, जिज्ञासा व आत्मानुशासन का संगम : प्रो सुनीता सिन्हा

संजय कुमार

बिहारशरीफ(अपना नालंदा)। नालंदा कॉलेज में गुरुवार को हिंदी, संस्कृत, पाली एवं दर्शनशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में महान साहित्यकार एवं यायावर चिंतक राहुल सांकृत्यायन के "व्यक्तित्व एवं कृतित्व" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. सुनीता सिन्हा ने की। संगोष्ठी का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ।

मुख्य वक्ता दर्शनशास्त्री प्रो. प्रभास कुमार ने राहुल सांकृत्यायन की दार्शनिक दृष्टि को रेखांकित करते हुए कहा कि सांकृत्यायन का दर्शन मूलतः वैज्ञानिकता, तर्कशीलता और मानवतावाद पर आधारित था। वे अंधविश्वास और रूढ़ियों के घोर विरोधी थे तथा जीवन और समाज को समझने के लिए विवेक और अनुभव को सर्वोपरि मानते थे। उनके चिंतन में बौद्ध दर्शन का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है, जहाँ करुणा, समता और बौद्धिक स्वतंत्रता को विशेष महत्व दिया गया है।

विशिष्ट वक्ता पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य एवं बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. ध्रुव कुमार ने राहुल सांकृत्यायन के व्यक्तित्व के अनछुए पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सांकृत्यायन का व्यक्तित्व अद्भुत साहस, जिज्ञासा और आत्मानुशासन का संगम था। तिब्बत की दुर्गम यात्राओं से लेकर रूस जैसे देशों में अध्ययन तक, उन्होंने हर परिस्थिति में ज्ञानार्जन को ही अपना लक्ष्य बनाया। वे केवल साहित्यकार ही नहीं, बल्कि इतिहासकार, पुरातत्ववेत्ता, भाषाविद् और समाज सुधारक भी थे।

पूर्व प्राचार्य प्रो रघुनाथ प्रसाद कच्छवे ने कहा कि राहुल सांकृत्यायन का व्यक्तित्व और दर्शन आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उनके समय में था।

प्रारंभिक वक्तव्य में हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ कुमारी चंपा ने राहुल सांकृत्यायन के बहुआयामी व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें भारतीय ज्ञान-परंपरा का अद्वितीय संवाहक बताया।

पाली विभागाध्यक्ष डॉ मंजू कुमारी ने कहा कि राहुल सांकृत्यायन ने अपनी यात्राओं के माध्यम से भारतीय संस्कृति को वैश्विक संदर्भ प्रदान किया।

संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ शशि भूषण भट्ट ने कहा कि राहुल सांकृत्यायन केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं थे, बल्कि वे एक जीवंत प्रयोगधर्मी व्यक्तित्व थे।

दर्शन शास्त्र विभाग की अध्यक्ष डॉ श्रद्धा कुमारी ने यह रेखांकित किया कि आज के समय में सांकृत्यायन की वैज्ञानिक और मानवीय दृष्टि अत्यंत प्रासंगिक है।

अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्या प्रो. सुनीता सिन्हा ने कहा कि राहुल सांकृत्यायन का जीवन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उनकी तिब्बत और रूस यात्राओं का उल्लेख करते हुए प्राचार्या ने कहा कि उन्होंने दुर्लभ पांडुलिपियों का संरक्षण कर भारतीय इतिहास को समृद्ध किया। उनके साहित्य में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तर्कशीलता और प्रगतिशील चेतना का समन्वय देखने को मिलता है।

उन्होंने छात्रों को उनके लेखन और चिंतन से सीख लेकर ज्ञान की नई दिशाओं में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

इस अवसर पर हिंदी विभाग के डॉ श्याम सुंदर प्रसाद, मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ मृत्युंजय कुमार, राजनीति शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ श्रवण कुमार, गणित विभाग के डॉ श्रेतांक, प्राचीन इतिहास विभाग के डॉ संजीत कुमार, डॉ संजय सिंह, भौतिकी के डॉ एस एस झा, डॉ राजेंद्र कुमार, डॉ मनोज कुमार

डॉ आलम, इतिहास विभाग के डॉ इकबाल आदि ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त करते उन्हें महान चिंतक, यायावर साहित्यकार और बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्तित्व का स्वामी बताया।

संगोष्ठी में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों की ओर से छात्र- छात्राओं में अंकित कुमार, रानी कुमारी, अन्नू कुमारी, अर्चना कुमारी, नीलाक्षी कुमारी, हिमाचल कुमारी, पीयूष कुमार, नीतीश कुमार, विक्रम कुमार, अलका कुमारी ने राहुल सांकृत्यायन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला।

संचालन संस्कृत विभाग के डॉ परमानंद कुमार ने किया। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए डॉ श्याम सुंदर प्रसाद ने कहा कि छात्र- छात्राओं की इतनी अधिक संख्या में उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि राहुल सांकृत्यायन आज भी बहुत ही लोकप्रिय व्यक्तित्व हैं।

नालंदा में पोषण पखवाड़ा 2026 की शुरुआत, कुपोषण उन्मूलन को लेकर जागरूकता अभियान तेज

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। गुरुवार को नालंदा में पोषण पखवाड़ा 2026 का शुभारंभ उप विकास आयुक्त शुभम कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देश के अनुसार यह अभियान 9 अप्रैल से 23 अप्रैल 2026 तक जिले के सभी प्रखंडों, पंचायतों और आंगनबाड़ी केंद्रों पर व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा।

कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने पोषण पखवाड़ा के उद्देश्य और निर्धारित गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष की मुख्य थीम "बचपन के 6 साल, पोषण पढ़ाई के लिए बेमिसाल" रखी गई है। उन्होंने बताया कि सभी गतिविधियों की प्रतिदिन जन आंदोलन डैशबोर्ड पर प्रविष्टि भी की जाएगी।

उप विकास आयुक्त ने कहा कि कुपोषण उन्मूलन एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसके लिए प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस, पंचायत प्रतिनिधि और समुदाय की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने गर्भवती महिलाओं और 0–2 वर्ष के बच्चों के लिए पहले 1000 दिनों के महत्व पर विशेष जोर देते हुए संतुलित आहार, समय पर टीकाकरण, स्तनपान और स्वच्छता अपनाने की अपील की।

पोषण पखवाड़ा के दौरान जिलेभर में पोषण जागरूकता रैली, पोषण पंचायत, गोद भराई व अन्नप्राशन कार्यक्रम, एनीमिया स्क्रीनिंग एवं स्वास्थ्य जांच शिविर, बच्चों का वजन व ऊंचाई मापन अभियान, पोषण परामर्श सत्र, पोषण प्रदर्शनी व व्यंजन प्रतियोगिता, स्कूलों में चित्रकला व निबंध प्रतियोगिता तथा घर-घर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही पोस्टर, बैनर और सोशल मीडिया के माध्यम से भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ इन गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि अधिक से अधिक लाभार्थियों तक योजनाओं और पोषण संबंधी संदेश पहुंच सकें।

कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, आईसीडीएस कर्मी, स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका, जीविका दीदी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

फर्जी शिक्षक प्रशिक्षण प्रमाणपत्र मामले में जांच रिपोर्ट तीन दिन में मांगी गई

अखिलेंद्र कुमार

पटना (अपना नालंदा)। क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक, पटना प्रमंडल कार्यालय ने जिला शिक्षा पदाधिकारी, पटना को चौथा स्मार पत्र जारी कर एक गंभीर मामले में जांच प्रतिवेदन शीघ्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। यह मामला फर्जी शिक्षक प्रशिक्षण प्रमाणपत्र के आधार पर नियोजित एक नगर शिक्षक को सेवा में बनाए रखने और बकाया वेतन भुगतान से जुड़ा है।

कार्यालय से जारी पत्र के अनुसार, तेजस्वी फैंस एसोसिएशन की सचिव श्रीमती गायत्री देवी, कुर्जी मगध कॉलोनी, सदाकत आश्रम, पटना द्वारा 26 मई 2025 को परिवाद पत्र दिया गया था। इसमें तत्कालीन जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना सह निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी) पटना और वर्तमान में किशनगंज में पदस्थापित जिला कार्यक्रम पदाधिकारी श्री राजकमल कुमार के विरुद्ध आरोप लगाया गया है कि उन्होंने फर्जी प्रशिक्षण प्रमाणपत्र के आधार पर नियुक्त नगर शिक्षक रजनीश रंजन को सेवा में बनाए रखा तथा उनके बकाया वेतन के भुगतान में भी भूमिका निभाई।

इस संबंध में क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक कार्यालय द्वारा पहले भी कई पत्र जारी कर मामले की बिंदुवार जांच कर स्पष्ट प्रतिवेदन मांगा गया था, लेकिन लगभग दस माह बीत जाने के बाद भी जांच रिपोर्ट प्राप्त नहीं हो सकी है। इसे उच्चाधिकारियों के आदेश की अवहेलना और कार्य के प्रति लापरवाही माना गया है।

इसी क्रम में हाल ही में श्रीमती गायत्री देवी का एक और पत्र प्राप्त हुआ है, जिसमें जिला शिक्षा पदाधिकारी पर आरोपी अधिकारी को बचाने का प्रयास करने का आरोप लगाया गया है।

क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक ने निर्देश दिया है कि पूरे मामले की बिंदुवार जांच कर तीन दिनों के भीतर स्पष्ट प्रतिवेदन उपलब्ध कराया जाए, अन्यथा मामले की सूचना उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी।

पीड़ीता ने महिला थाना में दिया आवेदन

पीड़िता ने अपने ही सास ,ससुर ,ननद समेत पति के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर

हरिओम कुमार

हरनौत(अपना नालंदा)। स्थानीय प्रखंड के बिरजू मिल्की गांव के बहू ने अपनी हीं सास,ससुर,ननद,देवर,पति समेत अन्य के खिलाफ महिला थाना में आवेदन देकर कार्रवाई करने की मांग की है।पीडिता

बिरजु मिल्की चखानी गांव के निवासी निरंजन केवट के 24 वर्षीय पत्नी क्रान्ति देवी है । उन्होंने ने कहा कि वर्ष 2021 में 20 मई को मेरी शादी हिन्दू रिती रिवाज से घर पर हुई थी।

यहां तक जमीन बेचकर 1.7 लाख रूपये ,एक भर सोने का चैन भिकरी, एक चौका, बर्तन काशा पीतल , पलंग , बिस्तर सेट , बक्शा,कपड़ा ,जूता आदि दिया था। इसके बाद शादी के विदाई के बाद पति के साथ ससुराल गई। वहां छः महीना रही।, फिर पति निरंजन,ससुर बैजु केवट , सास अनिता देवी,देवर चितरंजन एवं ननद मीनीयां सभी मिलकर प्रताड़ित,मारपीट, गाली,गलौज करने लगा। यहां तक मोटर साईकिल की मांग करने लगा।यह तक परिवार में समझौता भी हुआ। उस वक्त बोला कि अब नहीं मार पीट करना है। लेकिन 15 दिन बाद फिर मार पीट की। मेरी सोने की कान वाली आठ आना भर जो शादी के समय मेरी चाची ने दी थी। वह सास ने छीन ली। सोने की चार आना भार की लौकीट बजरंग वली जो की ननद छीन लिया। इसके बाद 29 नवंबर 2025 को सुबह अपने मैयके (थाना वेना,गांव पहाड़पुर) में जाकर सभी बिती बाते बताई । इसके बाद 30 नवंबर को दस आदमी मायके से एवं डिहरी पंचायत के मुखिया अनील ठाकुर तथा ग्राम पंचों द्वारा समझौता कराया गया। एवं माफी मांगा ।

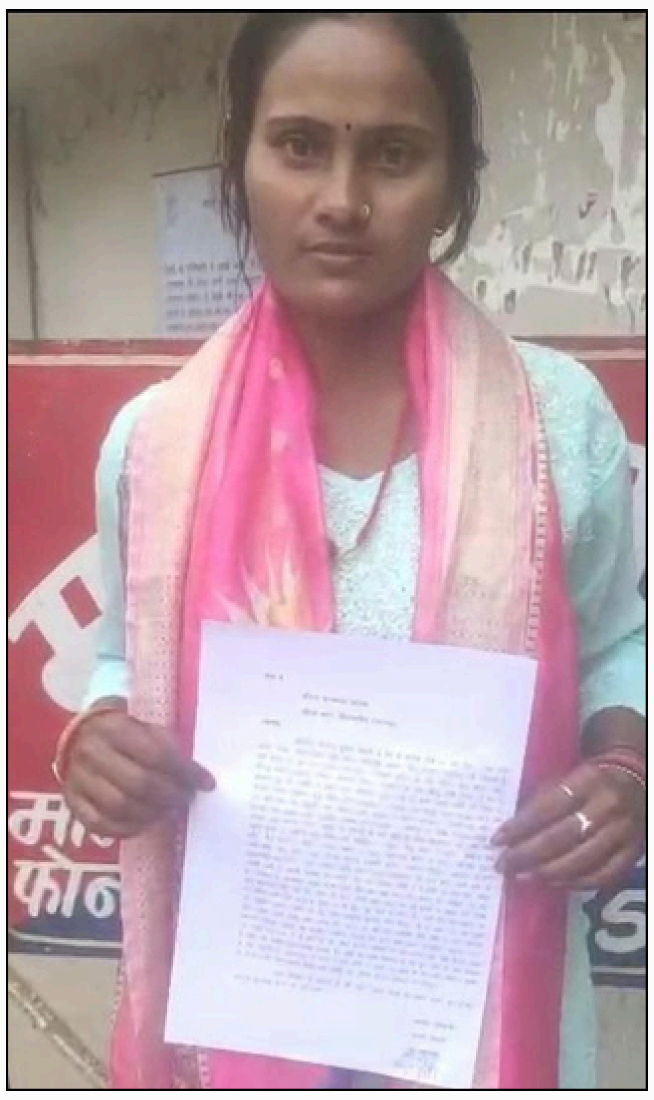

इसके बाद ससुराल में पति के घर रहने लगी। लेकिन घर का खाना मुझे नहीं बनाने देता है और नहीं किसी बोल-चाल करता है। पति बार-बार बोलता है कि तुम यहाँ से चले जाओ मैं नही रखुगाँ। इसके बाद दस फरवरी 2026 को रात्री 8 बजे सभी ने लाठी एवं डंडा से मार पीट किया। सुबह मैं किसी तरह मायके जाकर बीती बाते बताई एवं अपना ईलाज डॉक्टर से कराई। उन्होंने ने कहा कि पिता(नरेश) और मां(किरण) का मृत्यु हो गई है। वहीं महिला थाना थानाप्रभारी पुनम कुमारी ने कहा कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है। जांच-पड़ताल जारी है।इस केस की जिम्मेदारी महिला थाना में तैनात एसआई चांदनी कुमारी को दी गई है।

नगरनौसा प्रखंड कार्यालय में भ्रष्टाचार पर बीस सूत्री उपाध्यक्ष ने खोला मोर्चा

नगरनौसा (अपना नालंदा)। प्रखंड कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार और पदाधिकारियों की कथित मनमानी को लेकर मामला गरमाता जा रहा है। इस मुद्दे पर बीस सूत्री उपाध्यक्ष अभय नंदन पांडेय ने खुलकर विरोध जताते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने प्रखंड कार्यालय परिसर में काला पट्टी बांधकर अपना विरोध दर्ज कराया और प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए।

बिस सूत्री उपाध्यक्ष अभय नंदन पांडेय ने आरोप लगाया कि प्रखंड कार्यालय में दिन-प्रतिदिन पदाधिकारियों की मनमानी बढ़ती जा रही है और आम लोगों के कार्य समय पर नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कार्यालय में भ्रष्टाचार अपने चरम पर पहुंच चुका है, जिससे आम जनता को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि कार्यालय में पदाधिकारियों के साथ-साथ क्लर्क और चालक तक अपने आप को वरीय पदाधिकारी से कम नहीं समझते हैं। इससे न केवल कार्य संस्कृति प्रभावित हो रही है, बल्कि जनप्रतिनिधियों और आम लोगों के साथ भी सम्मानजनक व्यवहार नहीं किया जाता है।

अभय नंदन पांडेय ने बताया कि कई बार इस समस्या को लेकर संबंधित पदाधिकारियों से

शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसी कारण उन्हें विरोध का रास्ता अपनाना पड़ा है।

उन्होंने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया और भ्रष्टाचार पर रोक नहीं लगी, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रखंड कार्यालय की व्यवस्था सुधारने की जिम्मेदारी प्रशासन की है और जनता की समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

हरनौत के झंडू कुमार ने एशिया-ओशनिया ओपन में जीता कांस्य पदक, क्षेत्र में खुशी की लहर

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। बैंकॉक में आयोजित एशिया-ओशनिया ओपन 2026 अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हरनौत बाजार निवासी झंडू कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीतकर जिले और राज्य का नाम रोशन किया है। उन्होंने 72 किलोग्राम भार वर्ग में कुल 191 किलोग्राम वजन उठाकर यह उपलब्धि हासिल की।

इस संबंध में जानकारी देते हुए राष्ट्रीय पैरा खिलाड़ी सह नालंदा पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव कुन्दन कुमार पांडे ने बताया कि यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 1 अप्रैल से 14 अप्रैल तक बैंकॉक में आयोजित की जा रही है, जिसमें भारत की ओर से 29 सदस्यीय दल भाग ले रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में झंडू कुमार को भारतीय दल का ध्वजवाहक भी बनाया गया था, जो उनके लिए गर्व की बात है।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में झंडू कुमार ने तिरंगा लेकर भारतीय दल का नेतृत्व किया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन से न केवल हरनौत बल्कि पूरे नालंदा जिले में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों और खेल प्रेमियों ने उनकी इस उपलब्धि को जिले के

लिए गौरवपूर्ण बताया है।

झंडू कुमार की इस सफलता पर बिहार पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. शिवाजी कुमार, सचिव संदीप कुमार, संतोष कुमार सिंह, लक्ष्मी कुमार सहाय तथा डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

वहीं उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि सह समाजसेवी सुरेश सिंह, पत्रकार रवि, समाजसेवी प्रमोद, चंद्रोदय और ज्ञानेश सहित कई लोगों ने भी झंडू कुमार को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दी हैं और उम्मीद जताई है कि वे भविष्य में देश के लिए और भी पदक जीतेंगे।

सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों का जीवन प्रमाणीकरण कराना अनिवार्य, 70 प्रतिशत ही हुआ सत्यापन

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। जिले में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों का जीवन प्रमाणीकरण कराने को लेकर प्रशासन ने महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। बताया गया है कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के मृत पेंशनधारियों को चिन्हित कर ई-लाभार्थी पोर्टल के डाटाबेस में अपडेट करने के उद्देश्य से कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से निःशुल्क जीवन प्रमाणीकरण की प्रक्रिया 22 दिसंबर 2025 से शुरू की गई है।

प्रशासनिक जानकारी के अनुसार अब तक जिले में लगभग 70 प्रतिशत पेंशनधारियों का ही जीवन प्रमाणीकरण हो सका है। शत-प्रतिशत जीवन प्रमाणीकरण नहीं होने के कारण जिन पेंशनधारियों का सत्यापन नहीं हो पाया है, उनके पेंशन भुगतान में बाधा उत्पन्न हो रही है।

अधिकारियों ने बताया कि जीवन प्रमाणीकरण का कार्य प्रत्येक पंचायत के कॉमन सर्विस सेंटर तथा प्रखंड स्तर पर किया जा रहा है। सभी पेंशनधारियों से अपील की गई है कि वे शीघ्र अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर पर जाकर जीवन प्रमाणीकरण कराएं, ताकि पेंशन भुगतान में किसी प्रकार की समस्या न

विद्युत बिल व शिकायतों के समाधान को लेकर अप्रैल में विशेष शिविर, हर सोमवार-शुक्रवार होगा आयोजन

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। विद्युत विपत्र एवं बिजली से संबंधित विभिन्न शिकायतों के त्वरित निवारण के लिए बिजली विभाग द्वारा विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। विभागीय जानकारी के अनुसार यह शिविर प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा।इस शिविर में उपभोक्ता अपने विद्युत बिल से जुड़ी त्रुटियां, अधिक बिल की शिकायत, नामसुधार, मीटर से संबंधित समस्याएं तथा अन्य बिजली संबंधी शिकायतों का समाधान करा सकेंगे। इसके लिए उपभोक्ताओं को अपनेनजदीकी विद्युत कार्यालय में संपर्क करने की अपील की गई है।

बिजली विभाग ने बताया कि यह विशेष शिविर अप्रैल 2026 माह के दौरान ही आयोजित किया जा रहा है। ऐसे में सभी उपभोक्ताओं से अनुरोध किया गया है कि वे निर्धारित तिथि और समय पर अपने नजदीकी विद्युत कार्यालय पहुंचकर अपनी समस्याओं का समाधान कराएं।

www.apnanalanda.com

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

नालन्दा का नंबर 1 अखबार

अपना नालन्दा में विज्ञापन देकर
अपने व्यवसाय को दे नई पहचान

नालन्दा की जनता की आवाज

अपने क्षेत्र की खबर भेजने
ओर विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।

9031468165
9608311251

विज्ञापन दरें (प्रथम वर्षगांठ विशेष पैकेज)
फुल पेज विज्ञापन – ₹10,000/-
हाफ पेज विज्ञापन – ₹5,000/-
क्वार्टर पेज विज्ञापन – ₹3,000/-

संपर्क करें:

apnanalandaofficial881@gmail.com

9031468165
9608311251